जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

अनन्य महोत्सव 2020

आचार्य श्री नानेश जन्म शताब्दी महोत्सव (पूर्व तैयारी)

आगम भक्ति आयाम

आगम भक्ति आयाम क्रमांक : .....

.....

नाम : .....

.....

पिता का नाम : .....

.....

माता का नाम : .....

.....

आयु : .....

व्यवसाय : .....

.....

सम्पर्क सूत्र : .....

.....

ई-मेल : .....

पता : .....

.....

.....

वर्तमान धार्मिक ज्ञान : .....

.....

आगम भक्ति - 1

देश-विदेश में कम से कम 12 साधुमार्गी श्रावक-श्राविका 500 बोल/थोकड़े के जानकार हों।

आगम भक्ति - 2

देश-विदेश में कम से कम 12 साधुमार्गी श्रावक-श्राविका कर्म-सिद्धान्त के जानकार हों।

आगम भक्ति - 3

देश-विदेश में कम से कम 100 साधुमार्गी श्रावक-श्राविका ऐसे हों जिनको श्री दशवैकालिक की सम्पूर्ण गाथाएं कण्ठस्थ हों।

आगम भक्ति - 4

देश-विदेश में कम से कम 100 साधुमार्गी श्रावक-श्राविकाओं को श्री नंदीसूत्र कण्ठस्थ हों। (700 गाथाएं)

आगम-भक्ति - 5

देश-विदेश में कम से कम 1000 साधुमार्गी श्रावक-श्राविकाओं को श्री सुख विपाक सूत्र कण्ठस्थ हों। (150 गाथाएं)

आगम भक्ति - 6

देश-विदेश में कम से कम 1000 साधुमार्गी श्रावक-श्राविकाओं को श्री उत्तराध्ययन सूत्र कण्ठस्थ हों। (2000 गाथाएं)

आगम भक्ति - 7

देश-विदेश में कम से कम 100 साधुमार्गी श्रावक-श्राविका आजीवन प्रतिदिन लगभग 100 गाथाओं का अर्थात् वर्षभर में कुल 36000 गाथाओं का स्वाध्याय करें।

आगम भक्ति - 8

देश-विदेश में कम से कम 100 साधुमार्गी श्रावक-श्राविका हर महीने (6) पौषध आजीवन करने का संकल्प लें।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- केन्द्रीय कार्यालय, बीकानेर। 0151-2270261-62, 2270351

हस्ताक्षर

आयोजक :- श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति